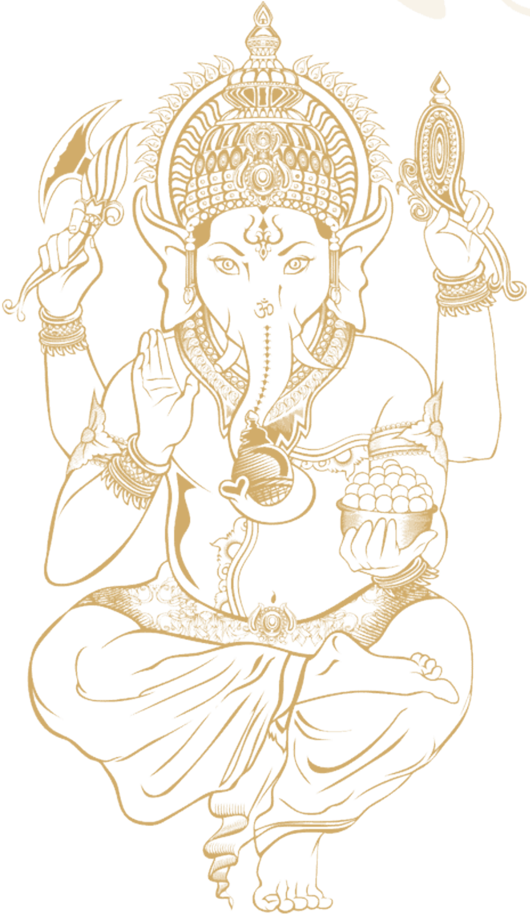

Dalla suthar

29 Dec 1995

12:15 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121514104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/12/1995**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:15:00 घंटे**
इष्ट	41:53:38 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:30:40 घंटे
वेलान्तर	-00:01:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:57:43 घंटे
सूर्योदय	07:29:32 घंटे
सूर्यास्त	18:01:52 घंटे
दिनमान	10:32:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:45:24 धनु
लग्न के अंश	05:41:08 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युंजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:41:08	325:29:12	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			धनु	12:45:24	01:01:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मीन	12:34:40	13:02:30	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
मंगल			धनु	27:51:37	00:46:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मक	01:16:05	01:20:49	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु		अ	धनु	04:56:40	00:13:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
शुक्र			मक	14:51:18	01:13:56	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि			कुंभ	25:22:59	00:03:46	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु			कन्या	29:42:47	00:00:01	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	29:42:47	00:00:01	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	05:22:03	00:03:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	00:45:27	00:02:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:02:17	00:02:03	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मिथु	05:40:36	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:11

लग्न-चलित

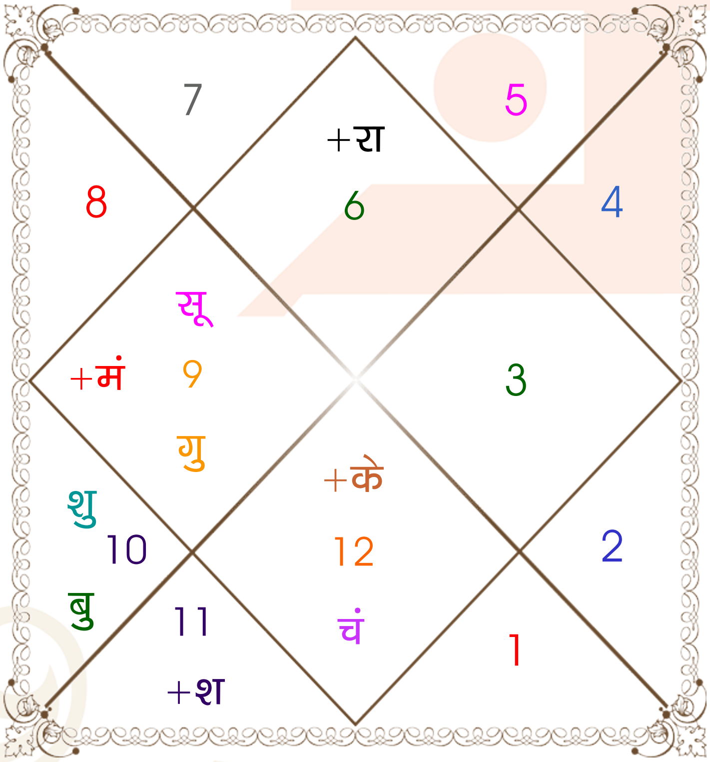

चन्द्र कुंडली

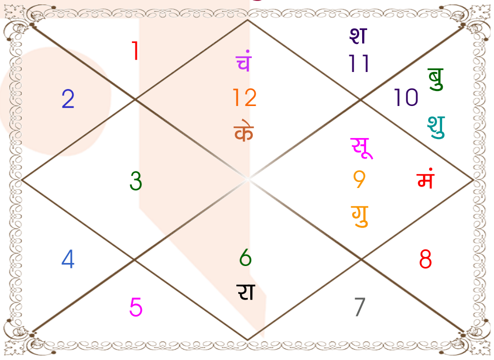

नवमांश कुंडली

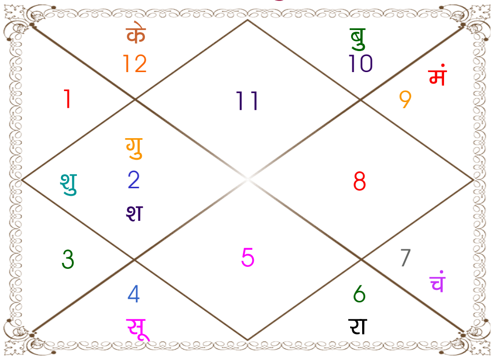

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 9 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
29/12/1995	**26/10/2001**	**26/10/2018**	**26/10/2025**	**26/10/2045**
26/10/2001	**26/10/2018**	**26/10/2025**	**26/10/2045**	**26/10/2051**
00/00/0000	बुध 23/03/2004	केतु 24/03/2019	शुक्र 24/02/2029	सूर्य 12/02/2046
00/00/0000	केतु 21/03/2005	शुक्र 23/05/2020	सूर्य 24/02/2030	चंद्र 14/08/2046
00/00/0000	शुक्र 19/01/2008	सूर्य 28/09/2020	चंद्र 26/10/2031	मंगल 20/12/2046
00/00/0000	सूर्य 25/11/2008	चंद्र 29/04/2021	मंगल 25/12/2032	राहु 13/11/2047
00/00/0000	चंद्र 26/04/2010	मंगल 25/09/2021	राहु 26/12/2035	गुरु 01/09/2048
29/12/1995	मंगल 23/04/2011	राहु 14/10/2022	गुरु 26/08/2038	शनि 14/08/2049
मंगल 07/06/1996	राहु 10/11/2013	गुरु 20/09/2023	शनि 26/10/2041	बुध 20/06/2050
राहु 14/04/1999	गुरु 16/02/2016	शनि 28/10/2024	बुध 26/08/2044	केतु 26/10/2050
गुरु 26/10/2001	शनि 26/10/2018	बुध 26/10/2025	केतु 26/10/2045	शुक्र 26/10/2051

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
26/10/2051	**26/10/2061**	**25/10/2068**	**26/10/2086**	**27/10/2102**
26/10/2061	**25/10/2068**	**26/10/2086**	**27/10/2102**	**00/00/0000**
चंद्र 26/08/2052	मंगल 24/03/2062	राहु 09/07/2071	गुरु 13/12/2088	शनि 30/10/2105
मंगल 27/03/2053	राहु 11/04/2063	गुरु 01/12/2073	शनि 26/06/2091	बुध 09/07/2108
राहु 25/09/2054	गुरु 17/03/2064	शनि 07/10/2076	बुध 01/10/2093	केतु 18/08/2109
गुरु 25/01/2056	शनि 26/04/2065	बुध 27/04/2079	केतु 07/09/2094	शुक्र 17/10/2112
शनि 26/08/2057	बुध 23/04/2066	केतु 14/05/2080	शुक्र 08/05/2097	सूर्य 29/09/2113
बुध 25/01/2059	केतु 19/09/2066	शुक्र 15/05/2083	सूर्य 24/02/2098	चंद्र 01/05/2115
केतु 26/08/2059	शुक्र 20/11/2067	सूर्य 08/04/2084	चंद्र 26/06/2099	मंगल 30/12/2115
शुक्र 26/04/2061	सूर्य 26/03/2068	चंद्र 07/10/2085	मंगल 02/06/2100	00/00/0000
सूर्य 26/10/2061	चंद्र 25/10/2068	मंगल 26/10/2086	राहु 27/10/2102	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।